गैरसैंण, सोमवार
30 सितम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 142 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मोदी सरकार का किसानों को तोहफा, गैर–बासमती चावल को लेकर लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली , केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज एक महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी दी है, जिसमें गैर–बासमती चावल के निर्यात को खोलने और न्यूनतम निर्यात मूल्य के निर्धारण को मंजूरी दी गई है। गैर–बासमती सफेद चावल पर 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किया गया है, जबकि परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर शुल्क 20त्न से घटाकर 10त्न कर दिया गया है। यह निर्णय चावल उत्पादक किसानों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे किसान अब न्यूनतम निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर अपनी उपज का निर्यात कर सकेंगे इसके अलावा, खाद्य तेलों के आयात शुल्क को बढ़ाकर 20त्न और रिफाइंड तेल पर मूल शुल्क को 32.5त्न करने का निर्णय लिया गया है, जिससे सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली उत्पादक किसानों को आर्थिक लाभ होगा। प्याज पर निर्यात शुल्क को 40त्न से घटाकर 20त्न किया गया है, जिससे प्याज उत्पादक किसानों को बेहतर दाम मिल सकेंगे। बासमती चावल पर भी न्यूनतम निर्यात मूल्य समाप्त करने से किसान अधिक मुनाफा कमा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए 61 फसलों की 109 किस्में किसानों को समर्पित की हैं।केंद्रीय कृषि मंत्री ने तुअर, उड़द और मसूर उत्पादक किसानों के लिए 100त्न खरीद का आश्वासन दिया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2025–26 तक दलहनी फसलों के क्षेत्र विस्तार और 2027–28 तक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। इस निर्णय से किसानों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही उनकी उत्पादन क्षमता में भी सुधार होगा।

सोनप्रयाग– गौरीकुंड के भूस्खलन जोन में वैकल्पिक पैदल मार्ग का काम शुरू

रुद्रप्रयाग। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सोनप्रयाग–गौरीकुंड 1.5 किमी भूस्खलन जोन पर वैकल्पिक मार्ग पैदल मार्ग बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इससे हाईवे बंद होने की स्थिति में इस स्थान से पार करने में पैदल मार्ग मददगार साबित होगा। जिससे केदारनाथ यात्रा संचालन में दिक्कतें पेश नहीं होंगी। उल्लेखनीय है कि बीते शनिवार को क्षेत्र के कारोबारियों ने हाईवे की हालत को देखते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। बीती 31 जुलाई को हुई भारी बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा पड़ाव सोनप्रयाग से एक किमी दूर केदारनाथ हाईवे का 150 मीटर हिस्सा ध्वस्त हो गया। तब से यहां लगातार भूस्खलन हो रहा है। भूस्खलन के चलते यहां यात्रा और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रही। हालांकि अब आवाजाही तो की जा रही है किंतु इस स्थान पर दुर्घटना का भय लगातार बना है। मुख्यमंत्री और गढ़वाल कमिश्नर सहित आपदा सचिव इस क्षेत्र की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

दिन में बंदर और रात में सूअर बर्बाद कर रहे फसल

नई टिहरी। विकासखंड प्रतापनगर की ओण पट्टी में किसान बंदर और जंगली सूअरों के आतंक से परेशान हैं। यहां दिन में बंदर और रात को सूअर फसलों को तहस–नहस कर रहे हैं। क्षेत्र के लोग कई बार वन विभाग से इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वन पंचायत समिति के अध्यक्ष जगनाथ सिंह थलवाल ने बताया कि ग्राम पंचायत कुडियाल गांव, कुराण डांडासारी, रमोली गांव, खरोली, डांग, पणसूत, मांजफ, देवल, थाला, मोलगा, मिश्रवाण गांव, खेत समेत कई गांवों में बंदर और सूअरों का आतंक बना हुआ है। धान, कोदा समेत दलहनी फसलें को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ किसान ऐसे हैं जिनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने बंदर और सूअरों के आतंक से निजात दिलाने के साथ ही उनकी ओर से किए गए नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। साथ ही बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। इधर, रैका क्षेत्र में भी लोग बंदर और सूअरों के आतंक से परेशान हैं। ग्राम प्रधान ऊषा देवी, चन्दन सिंह पंवार, चन्द्र सिंह, सैन सिंह आदि ने बताया की ग्राम पंचायत कोटगा में बंदरों ने आतंक मचा रखा है। बंदर फसलों के साथ ही साग–सब्जी को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मन की बात' ने पूरे किए 10 साल

पीएम मोदी ने कहा-करोड़ों श्रोता ही कार्यक्रम के असली सूत्रधार

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। अपने 114वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा कि आज का एपिसोड भावुक करने वाला है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम को 10 साल पूरे हो चुके हैं। 2014 में 3 अक्टूबर को मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। उस दिन विजयादशमी का दिन था।

यह बेहद सुखद संयोग है कि इस बार 3 अक्टूबर को नवरात्रि का पहला दिन है। पीएम मोदी ने कहा कि श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब तक चटपटी और नकारात्मक बात न हो तब तक तवज्जों नहीं मिलती है। मगर मन की बात कार्यक्रम ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। ये महिलाएं स्वयं सेवक समूह से जुड़ी हैं। इन महिलाओं ने जल सहेली बनकर इस अभियान का नेतृत्व किया है। महिलाओं ने मृतप्राय नदी को जिस तरह से बचाया है, उसकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। इन महिलाओं ने बोरियों में बालू भरकर चेक डैम बनाया और नदी का पानी से लबालब भर दिया।

पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के दो प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डिंडोरी के रायपुरा गांव में एक बड़े तालाब के निर्माण से भूजल स्तर काफी बढ़ गया है। इसका फायदा गांव की महिलाओं को मिला। शारदा अजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने मछली पालन शुरू किया।

छतरपुर की महिलाओं ने तालाब को किया जीवित

छतरपुर में भी महिलाओं ने खौंप गांव में बड़ा तालाब जब सुखने लगा तो महिलाओं ने इसे जीवन करने का प्रयास शुरू किया। हरी बागिया स्वयं सहायता समूह की इन महिलाओं ने बड़ी मात्रा में गाद निकाली। इस गाद का इस्तेमाल महिलाओं ने बंजर जमीन पर किया और बाग तैयार की।

बस और ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत, नौ यात्रियों की मौत– 23 घायल

मैहर ,मध्य प्रदेश के मैहर में बस और ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत में नौ लोगों की मौत और करीब 23 लोगों के घायल होने की खबर है। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर नादन देहात थाने के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, बीती रात करीब 11 बजे प्रयागराज से नागपुर जा रही बस सडक़ किनारे खड़े पत्थर से लदे डंपर ट्रक से टकरा गई। मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल के मुताबिक हादसे में घायलों में से करीब छह लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए सतना रेफर किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य घायलों का इलाज मैहर और अमरपाटन के अस्पतालों में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। बस की केबिन और आगे की सीटों पर बैठे यात्री हादसे की जद में आ गए। घटनास्थल पर ही 6 यात्रियों की मौत हो गई। आनन–फानन में अन्य यात्रियों को एंबुलेंस की मदद से देर रात अमरपाटन और मैहर की अस्पतालों में भेजा गया।

आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'दिल्ली में जंगल राज

नई दिल्ली , राजधानी दिल्ली में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चिंता जाहिर की है। अरविंद केजरीवाल ने इसे जंगल राज करार दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था खत्म हो गई है। पूरी तरह से जंगल राज है। देश की राजधानी में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंडर आती है। उन्हें तुरंत प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अरविंद केजरीवाल ने अपने पोस्ट में अपराध की कुछ खबरों का भी जिक्र किया है। वहीं, दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पर कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात को लेकर सवाल किए। सौरभ ने पोस्ट में लिखा, हाथ जोडक़र विनती है कि अब कुछ काम भी कर लीजिए। आपने पिछले 2 साल सिर्फ दिल्ली सरकार के कामों को रोकने में लगा दिए। हमारी कमियों को ढूंढते रहे। मगर जो जिम्मेदारी आपकी है, उसमें आप पूरी तरह फेल हो गए हैं। आपका तो वोट भी गुजरात में है मगर हमें तो दिल्ली में रहना है। सौरभ ने दूसरे पोस्ट में लिखा, दिल्ली में गैंग और गैंगस्टरों का उदय हुआ है। सौरभ ने नांगलोई की एक घटना का जिक्रकरते हुए लिखा, नांगलोई में मिठाई की दुकान चलाने वाले से जबरन वसूली मांगी गई। जब नहीं मिली तो वसूली के लिए फायरिंग की गई। दूसरी घटना नारायणा में हुई। यहां पर शोरूम संचालक से वसूली मांगी गई। यहां पर भी वसूली के लिए फायरिंग हुई।

अपराधियों ने गुलाबी बाग में 3 करोड़ के आभूषण लूट कर फरार हुए। महिपालपुर के एक होटल में गोलीबारी हुई। सौरभ ने अपराध की इन घटनाओं का जिक्रकरते हुए एलजी पर तंज कसा। सौरभ ने लिखा, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना विदेश की यात्रा पर हैं और दिल्ली के भाजपा सांसद दिल्ली से गायब हैं।

सीएम धामी ने अनारवाला में प्रधानमंत्री के मन की बात का 114वां संस्करण सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अनारवाला, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 114वां संस्करण सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम हमेशा सबको सामाजिक सरोकारों को लेकर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के शुभारंभ अवसर पर 03 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 10 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। दस सालों में इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले सामाजिक संगठनों और लोगों द्वारा जनहित में किये गये अनेक कार्यों का जिक्रकर लोगों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। इस कार्यक्रम से प्रेरणा लेकर लोगों द्वारा अनेक सराहनीय कार्य किये भी जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज मन की बात कार्यक्रम में राज्य के उत्तरकाशी के सीमावर्ती गाँव झाला का जिक्र किया। यहां के युवाओं ने अपने गाँव को स्वच्छ रखने के लिए एक खास पहल शुरू की है। वे अपने गाँव में धन्यवाद प्रकृतिह्व अभियान चला रहे हैं। यह स्वच्छता के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल है। इसके तहत गाँव में रोजाना दो घंटे सफाई की जाती है। गाँव की गलियों में बिखरे हुए कूड़े को समेटकर, उसे, गाँव के बाहर, तय जगह पर डाला जाता है। इससे झाला गाँव भी स्वच्छ हो रहा है और लोग जागरूक भी हो रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि स्वच्छता के इस तरह के कार्यक्रम जनसहयोग से प्रदेश के हर क्षेत्र में चलाए जाए। राज्य में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान पर राज्य सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए हम सबको अपना योगदान देना है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ह्यवोकल फॉर लोकल पर विशेष ध्यान देना है। त्योहारों में स्थानीय उत्पादों की खरीददारी कर हमें स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका को बढ़ाने में योगदान देना होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि हमें विकास के साथ अपनी विरासत को भी बढ़ावा देना होगा। अपनी स्थानीय भाषा, बोलियों और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयास करने हैं। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। उन्होंने हमेशा उत्तराखंड की चाहे बाल मिठाई हो या एपण कला और आज उत्तराखंड के जनपद उत्तरकाशी के झाला गांव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस गांव के युवा रोजाना गांव में दो घंटे सफाई करते हैं। इससे गांव स्वच्छ हो रहा है और लोग जागरुक भी हो रहे हैं।

केदारनाथ में सुनी पीएम की मन की बात

रुद्रप्रयाग। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 114वें एपिसोड को केदारनाथ में कार्यकर्ताओं द्वारा सुना गया। कार्यकर्ताओं के साथ ही तीर्थयात्रियों ने भी पीएम की मन की बात सुनी। गुप्तकाशी मंडल महामंत्री सुबोध बगवाड़ी की अध्यक्षता में केदारनाथ धाम में आयोजित कार्यक्रम में प्रवासी मंडल प्रभारी राजेंद्र व्यास मौजूद थे। बाबा केदार की भूमि में गुप्तकाशी मंडल के बूथ अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सुना। साथ ही सदस्यता अभियान कार्यक्रम चलाते हुए कई लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस कार्यक्रम में जिला सह मीडिया प्रभारी बुद्धि वल्लभ थपलियाल, केदार सभा के पूर्व अध्यक्ष विनोद शुक्ला, ध्रुवराज बगवाड़ी, सावन बगवाड़ी, आनन्द बगवाड़ी, लोकेश शास्त्री, विपिन बगवाड़ी, आनंद शुक्ला आदि मौजूद थे।

चित्तौड़गढ़ में तेज बहाव में बहे दो बच्चे : गांव में हडक़ंप, रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलें

चित्तौड़गढ़ , राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा उपखंड स्थित चरलिया ब्राह्मणन गांव में नदी में नहाते समय दो बच्चे अचानक तेज बहाव में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है, और निंबाहेड़ा कोतवाली थाना पुलिस के साथ स्थानीय ग्रामीण भी बचाव कार्य में जुटे हैं। इस दौरान, सभी की कोशिश थी कि किसी तरह बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला जाए, लेकिन बहाव इतना तेज था कि रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में काफी दिक्कत आ रही है। बच्चों का एक 15 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ग्रामीणों के साथ–साथ पुलिस भी बच्चों की तलाश में सक्रिय हैं। गांव के लोगों का कहना है कि वे बच्चों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, लेकिन तेज बहाव ने बचाव कार्य को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस घटना ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है, और ग्रामीणों ने प्रशासन से यह अपील की है कि बच्चों को नदी के पास जाने से रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पानी के अचानक तेज बहाव से खतरनाक स्थिति उत्पन्न होती है, विशेषकर बच्चों के लिए।

लॉरेंस बिश्नोई के जेल से टीवी इंटरव्यू को लेकर पंजाब पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

जयपुर ,कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नेई के जेल से इंटरव्यू देने के मामले में नया खुलासा हुआ है। पंजाब एसआईटी की जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि बिश्नोई ने जयपुर सेंट्रल जेल में रहते हुए एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया था। पहले, तत्कालीन जयपुर पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव ने इस बात का इनकार किया था, लेकिन अब पंजाब पुलिस ने जयपुर पुलिस को आवश्यक दस्तावेज सौंपे हैं। इसके बाद लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच थानाधिकारी श्रीनिवास जांगिड़ को सौंपी गई है। गौरतलब है कि पिछले साल मार्च में बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक राष्ट्रीय चैनल को इंटरव्यू देते हुए नजर आ रहा था। इंटरव्यू के दौरान एंकर उससे सवाल पूछते हैं, और वह लगातार जवाब देता है। यह इंटरव्यू जूम एप के माध्यम से लिया गया था। बाद में यह बात सामने आई कि जब वह जेल में बंद था, तो उसने यह इंटरव्यू कैसे दिया। इसे जेल सुरक्षा की बड़ी चूक माना गया। इस मामले में पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने पहले यह बताया था कि यह इंटरव्यू उनकी जेल से नहीं हुआ। लेकिन इस साल की शुरुआत में पंजाब के मोहाली जिले में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई और जांच शुरू की गई।

17 सितंबर को पंजाब पुलिस ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज सौंपे, जिसमें एक पेन ड्राइव भी शामिल है। इन दस्तावेजों के आधार पर अब लालकोठी थाने में केस दर्ज किया गया है। माना जा रहा है कि यह वीडियो जयपुर सेंट्रल जेल में ही शूट किया गया था। हाल ही में, लॉरेंस बिश्नोई का नाम दिल्ली में फायरिंग मामले में भी सामने आया है। वह विभिन्न राज्यों में रंगदारी मांगने के मामलों में संलिप्त है, और राजस्थान में भी उसके खिलाफ कई केस दर्ज हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत युवाओं को मिलेगा ब्याज मुक्त कर्ज : सीएम योगी

गोरखपुर , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा उद्यमियों के लिए एक नई स्कीम की जानकारी दी है, जिसके अंतर्गत युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए सरकार की ओर से बिना ब्याज के लोन उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम योगी ने कहा, सरकार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी के रूप में एक नई स्कीम लाने जा रही है। नई स्कीम के तहत आज के परिपेक्ष्य में अगर कोई युवा अपना उद्यम स्थापित करना चाहता है, तो हम उसे बिना ब्याज के लोन उपलब्ध कराएंगे। यानी बिना ब्याज के वह लोन ले सकता है। पहले चरण में पांच लाख तक, दूसरे चरण में दस लाख तक हम उसको ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाने में मदद करेंगे। और यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की योजना प्रभावी होने के बाद लाखों युवाओं के रोजगार की सृजन की संभावना आगे बढ़ी है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की शिल्पकला और उद्यमिता प्रदेश के छोटे छोटे कस्बों एवं शहरों में फैली है। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) कार्यक्रम का उद्देश्य है कि इन विशिष्ट शिल्प कलाओं एवं उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाए।

सीएम योगी ने आगे कहा, आज उत्तर प्रदेश का ओडीओपी दुनिया के अंदर धूम मचा रहा है। देश के अंदर वह एक ब्रॉन्ड बन चुका है। हम सबको इसके साथ जुड़ना होगा और मुझे पूरा विश्वास है कि वरुण बेवरेजेज जैसे प्लांट यहां पर व्यवसाय के साथ साथ यहां के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए भी कार्य करेंगे। इस दिशा में स्किल डेवलपमेंट का एक सेंटर भारत सरकार के साथ मिलकर कार्य करेगा। हम यहां के संस्थान को इसके साथ जोडक़र युवाओं का प्रशिक्षण करवाएंगे।

हिज्बुल्लाह ने किया नए प्रमुख का ऐलान, नसरल्लाह के भाई हाशिम सफीद्दीन को मिली कमान

बेरूत , हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह ने अपने नए प्रमुख का ऐलान कर दिया है। हाशेम हाशिम सफीद्दीन को अब हिज्बुल्लाह की कमान सौंपी गई है जो मारे गए हसन नसरल्लाह का चचेरा भाई है। 1964 में दक्षिणी लेबनान के डेर क़ानून एन नहर में जन्मे हाशिम सफ़ी अल दीन एक प्रमुख लेबनानी शिया मौलवी और हिज़बुल्लाह का सीनियर लीडर है। हाशिम सफीद्दीन हिज्बुल्लाह के राजनीतिक मामलों को देखता आया है। साथ ही एग्जीक्यूटिव काउंसिल का प्रमुख है। इसके अलावा यह जिहाद काउंसिल का चेयरमैन भी है, जो संगठन के मिलिट्री ऑपरेशंस की प्लानिंग करती है। हाशिम खुद को पैगम्बर मोहम्मद का वंशज बताता है। लेकिन यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने 2017 में इसे आतंकवादी घोषित कर दिया था। क्योंकि इसने इजरायल के खिलाफ बड़ी जंग तब शुरू की थी, जब इजरायल ने हिज्बुल्लाह के सीनियर कमांडर को मार दिया था। तब इसने अपने लड़ाकों से कहा था कि दुश्मनों को रोने के लिए मजबूर कर दो। इराक के नजफ और ईरान के कुम के धार्मिक केंद्रों में शिक्षा प्राप्त करने वाला सफीद्दीन 1994 में लेबनान वापस आ गया था और जल्दी ही हिजबुल्लाह के रैंक में टॉप पर चले गया।

बिहार पर दोहरी आफतः एक तरफ नेपाल ने छोड़ा पानी तो दूसरी तरफ भारी वर्षा का अलर्ट

13 जिलों में मंडराया बाढ़ का खतरा

पटना , नेपाल में बारिश की वजह से 112 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच वाल्मीकिनगर और बीरपुर बैराजों से पानी छोड़ दिया गया है। ऐसे में बिहार सरकार ने शनिवार को राज्य के उत्तरी और मध्य भागों में कोसी, गंडक और गंगा जैसी उफनती नदियों के किनारे बाढ़ की चेतावनी जारी की है। राज्य जल संसाधन विभाग ने एक बयान में कहा, ''नेपाल में भारी बारिश के कारण, गंडक, कोसी, महानंदा आदि नदियों में पानी का बहाव शनिवार को काफी बढ़ गया है।'' इससे 13 जिलों के 16.28 लाख से अधिक लोगों की स्थिति और खराब हो सकती है, जो पहले से ही भारी बारिश के बाद बाढ़ से प्रभावित हैं।

वाल्मीकिनगर और बीरपुर बैराज से छोड़ा गया पानी

राज्य जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बताया कि कोसी नदी पर बने बीरपुर बैराज से शाम 7 बजे तक कुल 5.79 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जो 56 साल में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि तटबंधों की सुरक्षा के लिए सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। पिछली बार इस बैराज से सबसे अधिक 7.88 लाख क्यूसेक पानी 1968 में छोड़ा गया था। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज से शाम 7 बजे तक 5.38 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। 2003 में छोड़े गए 6.39 लाख क्यूसेक के बाद यह इस बैराज से छोड़ा गया सबसे अधिक पानी है। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर कोसी बैराज के पास यातायात रोक दिया गया है।

नदियों का बढ़ा जलस्तर

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ''नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण सीमावर्ती जिलों में कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान को छू रही हैं या उससे ऊपर बह रही हैं।'' उन्होंने बताया कि नेपाल ने शनिवार शाम 7 बजे तक गंडक बैराज में 5.40 लाख क्यूसेक पानी और कोसी बैराज में 4.99 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा।

महबूबा मुफ्ती ने इजरायली हमले में मारे गए नसरल्लाह को बताया शहीद

नई दिल्ली ,पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इजरायली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह नेता नसरल्लाह को शहीद बताया है। इतना ही नहीं उन्होंने विरोध में चुनाव प्रचार करने से भी इनकार कर दिया है। जम्मू–कश्मीर में आगामी 1 अक्टूबर को तीसरे और अंतिम चरण के लिए वोट डाले जाएंगे।

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने नसरल्लाह की मौत पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा– लेबनान और गाजा के शहीदों, खासतौर से हसन नसरल्लाह के समर्थन में रविवार का चुनावी दौरा रद्द कर रही हूं। इस गहरे दुख और विद्रोह की घड़ी में हम फिलीस्तीन और लेबनान के लोगों संग खड़े हैं। लेबनान में इजरायली हमले में मारे गए नसरल्लाह के समर्थन में जम्मू–कश्मीर के बडगाम में लोगों ने रैली भी निकाली। जिसमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल हुईं। आईडीएफ ने बता दिया था कि ताबड़तोड़ हवाई हमले में हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह मारा गया है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था, अब दुनिया को नसरल्लाह से डरने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा। इस खुलासे के लगभग 20 घंटे बाद हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह के मारे जाने की पुष्टि की थी। हिजबुल्लाह की ओर से शनिवार (28 सितंबर) शाम बयान जारी किया गया। कहा गया कि शुक्रवार साढ़े नौ बजे इजरायली हवाई हमले में नसरल्लाह की मौत हो गई। हिजबुल्लाह ने बेरूत पर इजरायली हमले में अपने नेता सैयद हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि हमला इतना भीषण था कि आसपास की 6 बिल्डिंग ध्वस्त हो गईं। बताया जा रहा है कि नसरल्लाह अपनी बेटी के साथ यहीं मौजूद था। हालांकि इससे पहले ईरान की तरफ से यह दावा किया गया था कि नसरल्लाह को एक सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। बता दें हिजबुल्लाह की स्थापना में ईरान की अहम भूमिका थी। तेहरान हमेशा हिजबुल्लाह के साथ खड़ा रहा है। नसरल्लाह, 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद, हिजबुल्लाह की स्थापना के समय से ही इसके साथ जुड़ा हुआ था। 1992 में उसने संगठन के नेता के रूप में कार्यभार संभाला था।

नसरल्लाह पर तकलीफ लेकिन हिंदुओं को जब मारा गया तो महबूबा रहीं चुपः कविंदर गुप्ता

जम्मू कश्मीर ,भाजपा प्रवक्ता और जम्मू कश्मीर के पूर्व डिप्टी सीएम कविंदर गुप्ता ने पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की हिजबुल्लाह नेता नसरल्लाह की हमदर्दी पर ऐतराज जताया है। उन्होंने इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला एक्शन करार दिया है। गुप्ता ने कहा, 'हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत से महबूबा मुफ्ती को इतनी तकलीफ क्यों हो रही है? लोग इसके पीछे की मंशा जानते हैं। जब बांग्लादेश में हिन्दुओं को मौत के घाट उतारा जा रहा था तो उन्होंने एक शब्द नही कहा। महबूबा मुफ्ती ने आंसू नही बहाए। भाजपा की ओर से ये प्रतिक्रिया महबूबा मुफ्ती की पोस्ट के बाद आई है जिसमें उन्होंने इजरायली हमले में मारे गए नसरल्लाह के समर्थन में आवाज उठाई है। कविंदर गुप्ता ने महबूबा मुफ्ती के इस पोस्ट पर कहा कि हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत पर महबूबा मुफ्ती का जो ट्वीट आया कि मैं एक दिन के लिए कैंपेन नहीं करूंगी, हम लेबनान और फिलिस्तीन के साथ खड़े हैं। अच्छी बात है करनी चाहिए। लेकिन, आप तो भारत में किसी के साथ खड़े नही होते। बांग्लादेश में हिन्दुओं का कत्ल होता है। कुछ नही बोलती हैं। पूर्व डिप्टी सीएम ने पीडीपी चीफ पर साम्प्रदायिकता का आरोप लगाया। कहा, यह लोग कम्युनल हैं, और यहां पर हालात खराब करवाने का प्रयास करते हैं। ये लोग आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। इजरायल पर हुए हमले पर इनके आंसू नही बहते हैं, लेकिन हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत पर मगरमच्छ के आंसू बहा रही हैं। इजरायली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के समर्थन में महबूबा मुफ्ती ने एक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा, ''लेबनान और गाजा के शहीदों, खास तौर पर हसन नसरल्लाह के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मैं कल अपना अभियान रद्द कर रही हूं। हम इस दुख और अनुकरणीय प्रतिरोध की घड़ी में फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के साथ खड़े हैं।'' बता दें कि हिजबुल्लाह ने एक बयान जारी कर इसे एक कायरतापूर्ण आतंकवादी कृत्य, नरसंहार और एक घृणित अपराध बताया। उसने कहा इस हमले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इजरायल खून खराबा और क्रूरता की हदें पार करता है। इसके लिए वो लोगों की जान तक लेने से गुरेज नहीं करता है।

सम्पादकीय

उदासीन सरकारें, खोखले आश्वासन

उत्तराखंड में लंबे समय से चली आ रही मूल निवास और भू–कानून की मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। असल में राज्य बनने के साथ ही इस महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर तमाम संगठनों द्वारा आवाज उठाई जा रही है लेकिन अब तक की सभी सरकार है इस गंभीर मसले पर लीपापोती करती हुई ही नजर आ रही है। प्रदेश की जनता तमाम सरकारों के झूठे वादों और प्रलोभनों से अब तक आ चुकी है और नेताओं ने भी इसे केवल और केवल राजनीति का एक विषय बना लिया है। राज्य सरकारों की अनदेखी और बार–बार वादा खिलाफी के बाद अब तमाम संगठन एक मंच पर जुट आए हैं जिससे सरकार के कान खड़े हो गए हैं। इस दिशा में मूल निवास, भू–कानून को लेकर स्वाभिमान महारैली निकाली गई। साफ है कि किस मुद्दे पर अब लोगों के सफर का बांध बिट्टू रहा है हालांकि मुख्यमंत्री धामी ने आगामी सत्र में भू कानून को सदन में लाने का आश्वासन दिया है लेकिन लोग चाहते हैं कि इस मामले में सरकार लीपापोती करने के बजाए समिति बना कर स्थिति स्पष्ट कर दे। वैसे भी प्रदेशवासियों का अनुभव सरकारों एवं नेताओं के प्रति दगाबाजी का ही रहा है। स्थाई राजधानी को लेकर किस प्रकार से प्रदेश के अंदर पिछले 30 वर्षों से अजीब खेल खेला जा रहा है वह किसी से छिपा नही है। लोगों को विश्वास नही है कि सरकार मूल निवास और भू कानून को लेकर साहसिक कदम उठा पाएगी। प्रदेश के मूल निवासी लंबे समय से प्रदेश में सशक्त भू–कानून और मूल निवास की मांग कर रहे है और सशक्त भू–कानून नही होने से उत्तराखंड की शांत वादियों में बाहरी लोगों ने अपना अड्डा जमा लिया है जो विभिन्न प्रकार के अपराधों को भी अंजाम देते हुवे आ रहे हैं। राज्य में पिछले कुछ समय में हुवे संगीन अपराधों में बाहरी लोगों की ही भागीदारी पाई गई है तो वही जमीनों को भी नियम विरुद्ध बेच कर प्रदेश का ढांचा ही बिगाड़ दिया गया है। सत्य तो लिया है कि राज्य बनने के बाद यहां की सरकारों और जनप्रतिनिधि प्रदेश के विकास को दरकिनार करते हुए अपना निजी स्वार्थ साधते रहे। सरकार की निर्णय लेने की अक्षमता के कारण प्रदेश में ड्रग्स माफिया, भू–माफिया, खनन माफिया गोरखधंधे कर रहे हैं, इसलिए शुरुआत से ही यह जरूरत समझी जा रही थी कि उत्तराखंड में भी हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर सशक्त भू–कानून लागू किया जाय। इसके अलावा प्रदेश में 1950 मूल निवासी लागू करने के साथ ही समय–समय पर मूल और स्थाई निवासी का सर्वेक्षण होना जरूरी है। उत्तराखंड राज्य को बचाने के लिए अब यह जरूरत बन गई है कि उत्तराखंड की जनता जल्द ही नहीं जागी तो भविष्य में प्रदेश दयनीय स्थिति में पहुंच सकता है। अब जन आंदोलन का समय है, जिसकी हुंकार लगा दी गई है।

कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान

विनीत नारायण

तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढ़ने या ज़ोर से पढ़ने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज़ को शरीर का 'अंतरंग' हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है। महिलाओं को अब 'प्रलोभन' से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है।

पिछले कुछ वर्षों से यूरोप की स्थानीय आबादी और बाहर से वहाँ आकर बसे मुसलमानों के बीच नस्लीय संघर्ष तेज हो गए हैं। ये संघर्ष अब खूनी और विध्वंसकारी भी होने लगे हैं। कई देश अब मुसलमानों पर सख्त पाबन्दियाँ लगा रहे हैं। उन्हें देश से निकालने की माँग उठ रही है। आतंकवादियों की शरणस्थली बनी उनकी मस्जिदें बुलडोज़र से ढहायी जा रही हैं। उनके दाढ़ी रखने और बुर्का पहनने पर पाबन्दियाँ लगाई जा रही हैं।

ये इसलिए हो रहा है क्योंकि मुसलमान जहां जाकर बसते हैं वहाँ शरीयत का अपना क़ानून चलाना चाहते हैं। वो भी ज्यों का त्यों नहीं। वे वहाँ स्थानीय संस्कृति व धर्म का विरोध करते हैं। अपनी अलग पहचान बना कर रहते हैं। स्थानीय संस्कृति में घुलते मिलते नहीं है। हालाँकि सब मुसलमान एक जैसे नहीं होते। पर जो अतिवादी होते हैं उनका प्रभाव अधिकतर मुसलमानों पर पड़ता है। जिससे हर मुसलमान के प्रति नफ़रत पैदा होने लगती है।

ये बात दूसरी है कि इंग्लैंड, फ्रांस, हॉलैंड, पुर्तगाल जैसे जिन देशों में मुसलमानों के ख़िलाफ़ माहौल बना है। ये वो देश हैं जिन्होंने पिछली सदी तक अधिकतर दुनिया को ग़ुलाम बनाकर रखा और उन पर अपनी संस्कृति और धर्म थोपा था। पर आज अपने किए वो घोर पाप उन्हें याद नहीं रहे।

पर इसका मतलब ये नहीं कि अब मुसलमान भी वही करें जो उनके पूर्वजों के साथ अंग्रेजों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों, डच ने किया था। क्योंकि आज के संदर्भ में मुसलमानों का आचरण अनेक देशों में वाक़ई चिंता का कारण बन चुका है। उनकी आक्रामकता और पुरातन धर्मांध सोच आधुनिक जीवन के बिलकुल विपरीत है। इसलिए समस्या और भी जटिल होती जा रही है।

ऐसा नहीं है कि उनके ऐसे कट्टरपंथी आचरण का विरोध उनके विरुद्ध खड़े देशों में ही हो रहा है। खुद मुस्लिम देशों में भी उनके कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान है। अफ़ग़ानिस्तान की महिलाओं को लें। उन पर लगीं कठोर पाबंदियों ने इन महिलाओं को मानसिक रूप से कुंठित कर दिया है। वे लगातार मनोरोगों का शिकार हो रही हैं। जब तालिबान ने पिछले महीने सार्वजनिक रूप से महिलाओं की आवाज़ पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून पेश किया, तो दुनिया हैरान रह गई।

लेकिन जो लोग अफगानिस्तान के शासन के अधीन रहते हैं, उन्हें इस घोषणा से कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एक अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी से बात करते हुए वहाँ रहने वाले एक महिला बताया कि, "हर दिन हम एक नए कानून की उम्मीद करते हैं। दुर्भाग्यवश, हर दिन हम महिलाओं के लिए एक नई, पाबंदी की उम्मीद करते हैं। हर दिन हम उम्मीद खो रहे हैं।"

इस महिला के लिए इस तरह की कार्रवाई अपरिहार्य थी। लेकिन उसके लिए व उसके जैसी अनेक महिलाओं के लिए ऐसे फ़ैसलों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाला हानिकारक प्रभाव कम नहीं हुआ। तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढ़ने या ज़ोर से पढ़ने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज़ को शरीर का 'अंतरंग' हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है।

महिलाओं को अब 'प्रलोभन' से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है। जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रकाशित करना और कंप्यूटर या फोन पर उनकी तस्वीरें या वीडियो देखना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अफगानिस्तान के मीडिया आउटलेट्स का भाग्य गंभीर खतरे में पड़ गया है।

महिलाओं की आवाज़ रिकॉर्ड करना और फिर उन्हें निजी घरों के बाहर प्रसारित करना भी प्रतिबंधित है। इसका मतलब है कि जिन महिलाओं ने अपने इंटरव्यू रिकॉर्ड किए या वॉयस नोट्स के माध्यम से किसी न्यूज़ एजेंसी के साथ बात करना चुना, तो ऐसा उन्होंने काफ़ी बड़ा जोखिम उठा कर किया। लेकिन कड़ी सज़ा की संभावना के बावजूद उन्होंने कहा कि वे चुप रहने को तैयार नहीं हैं। इस एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू के माध्यम से वे चाहते हैं कि दुनिया अफगानिस्तान में महिला के रूप में जीवन की क्रूर, अंधकारमय सच्चाई को जाने।

इस इंटरव्यू में अधिकतर महिलाओं ने अमानवीय सज़ा के डर से अपना नाम न देने की इच्छा ज़ाहिर की। परंतु काबुल की सोदाबा नूरई एक अनोखी महिला थीं झ उन्होंने सज़ा से बिना डरे अपना नाम लेने की इच्छा की। न्यूज़ एजेंसी को भेजे एक वॉइस मेसेज में उन्होंने कहा, "महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध के बावजूद मैंने आपसे बात करने का फैसला किया क्योंकि मेरा मानना है कि हमारी कहानियों को साझा करना और हमारे संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

खुद पहचान ज़ाहिर करना एक बहुत बड़ा जोखिम है, लेकिन मैं इसे लेने को तैयार हूं क्योंकि चुप्पी केवल हमारी पीड़ा को जारी रखने की अनुमति ही देगी। यह नया कानून बेहद चिंताजनक है और इसने महिलाओं के लिए भय और उत्पीडन का माहौल पैदा कर दिया है। यह हमारी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है और यह शिक्षा, कार्य और बुनियादी स्वायत्तता के हमारे अधिकारों को कमजोर करता है।"

उल्लेखनीय है कि सोदाबा नूरई को अपनी नौकरी से अगस्त 2021 में हाथ धोना पड़ा। क्योंकि तब वहाँ तालिबान का राज पुनः स्थापित हुआ और शरीयत क़ानून के मुताबिक़ महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिये गये। अब उसे सरकार से प्रति माह 107 डॉलर के बराबर राशि मिलती है, जिसे वह महिलाओं की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त मानती हैं।

ये महिलाएँ चाहती हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को तत्काल एक मजबूत, समन्वित और प्रभावी रणनीति विकसित और लागू करनी चाहिए जो तालिबान पर इन बदलावों को लाने के लिए दबाव डाले। इस तालिबानी आदेश से यह दिखाई देता है कि तालिबान द्वारा किसी एक अधिकार का उल्लंघन अन्य अधिकारों के प्रयोग पर किस तरह से घातक प्रभाव डाल सकता है।

कुल मिलाकर, तालिबान की नीतियाँ दमन की एक ऐसी प्रणाली बनाती हैं जो अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के साथ उनके जीवन के लगभग हर पहलू में भेदभाव करती है। इसलिए ऐसे दमनकारी आदेशों के ख़िलाफ़ पूरे विश्व को एक होने की आवश्यकता है।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भोपाल जिले के पर्यटन स्थलों पर एक नजर

–अरूण शर्मा

भोपाल जिसे झीलों का शहर भी कहा जाता है, मध्यप्रदेश की राजधानी है और अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर, आइए भोपाल जिले एवं इसके आस–पास के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों पर एक नजर डालें, जो न केवल स्थानीय, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं।

बड़ा तालाब (ऊपरी झील)

भोपाल का बड़ा तालाब देश के सबसे पुराने मानव निर्मित झीलों में से एक है, जिसे राजा भोज के द्वारा निर्मित कराया गया था। यह शहर का प्रमुख आकर्षण है और यहाँ पर्यटक बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। झील के किनारे स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भी देखने लायक है। यह झील शाम के समय सूर्यास्त के अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है, जिससे यह जगह और भी मनमोहक लगती है।

भीमबेटका शैलाश्रय

भोपाल के पास स्थित भीमबेटका शैलाश्रय एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो प्राचीन मानव सभ्यता के इतिहास को दर्शाता है। यहाँ की शैलचित्र विश्व की सबसे प्राचीन चित्रकला में गिने जाते हैं और यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत स्थल है, जो उन्हें पाषाण युग में ले जाता है। ये गुफाएँ मानव सभ्यता के प्रारंभिक दौर की कहानी कहती हैं और इसमें मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण है।

सांची का स्तूप

हालांकि सांची भोपाल से थोड़ी दूरी पर स्थित है, लेकिन इसे भोपाल पर्यटन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है। सांची के स्तूप बौद्ध स्थापत्य कला का बेहतरीन उदाहरण हैं और यह गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित प्रमुख घटनाओं को चित्रित करता है। यहाँ पर स्थित स्तूप और अन्य संरचनाएँ बौद्ध धर्म के अनुयायियों और इतिहास प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

भारत भवन

भोपाल के सांस्कृतिक और कला प्रेमियों के लिए भारत भवन एक प्रमुख स्थल है। यहाँ पर विभिन्न कला प्रदर्शनियाँ, थिएटर, संगीत कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। यह स्थान विशेष रूप से कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थल है, जहाँ भारतीय कला और संस्कृति के विविध रंग देखने को मिलते हैं।

भोजपुर

भोजपुर भोपाल से 28 किमी दूर बेतवा नदी पर स्थित है। भोजपुर अधूरे भोजेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है जो भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर भारत के सबसे बड़े लिंगा में से एक है।

शौर्य स्मारक

शौर्य स्मारक जो भोपाल शहर के केंद्र में अरेरा पहाड़ी पर स्थित है, भारत के अमर शहीदों की युद्ध तथा शौर्य गाथाओं की आम जनता को अनुभूति कराने हेतु भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 14 अक्टूबर 2016 को देश को समर्पित किया गया। पर्यटन की दृष्टि से अब यह भोपाल का ही नहीं बल्कि भारत का एक महत्वपूर्ण स्थल बन गया है। भोपाल स्थित शौर्य स्मारक के सौन्दर्य, स्वच्छता तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छोटे से प्रवेश शुल्क का प्रावधान किया गया है जो मिलने वाले आनंद की तुलना में कुछ भी नहीं है। हालांकि सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवार वालों सम्मान देते हुए यहाँ निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है।

बच्चों के अस्तित्व पर स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव

विनोद के. पॉल

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल–जनित बीमारियों के साथ–साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है।

भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया है– स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम्' यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है। इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों– केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान–के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया।

दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अंधेरे में अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी।

इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी। भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत–प्रतिशत हो गया।*इस मिशन के तहत, 2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।* यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक जन आंदोलन के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम–स्तर के स्वयंसेवक (स्वच्छाग्रही) ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन के चैंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, मन–की–बात' में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया। एसबीएम चरण–1 की सफलता के बाद, चरण–2 की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024–25 तक, सभी गांवों को स्थायी तौर–तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है–जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी।

शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका नेचर' में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एसबीएम के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है, खासकर शिशु मृत्यु दर को कम करने के मामले में। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और शिशु मृत्यु दर' शीर्षक वाले इस अध्ययन में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) के रुझानों से संबंधित 10 वर्षों की अवधि (2011–20) में 35 भारतीय राज्यों और 640 जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। लेखकों ने शौचालय की बढ़ती सुलभता और बाल मृत्यु दर में गिरावट के बीच एक मजबूत संबंध का दस्तावेजीकरण किया है। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि एसबीएम के बाद जिला स्तर पर शौचालयों की सुलभता में प्रत्येक 10 प्रतिशत अंक की वृद्धि से जिला स्तर पर आईएमआर में 0.9 अंक और यू5एमआर में औसतन 1.1 अंक की कमी आई है। एक सीमा प्रभाव का भी सबूत है, जिसमें जिला स्तर पर 30 प्रतिशत (और उससे अधिक) का शौचालय कवरेज आईएमआर में 5.3 अंक और प्रति हजार जीवित जन्मों पर यू5एमआर में 6.8 अंक की कमी के समतुल्य है। लेखकों का अनुमान है कि एसबीएम के कारण बड़े पैमाने पर शौचालय की सुलभता ने सालाना 60,000– 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में योगदान दिया है।

हालांकि, यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह मात्र प्रभाव संबंधी अध्ययन भर नहीं है, जो एसबीएम की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2018) के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच डायरिया से होने वाली 3,00,000 से अधिक मौतों को रोकने में एसबीएम की अहम भूमिका रही है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (2017) ने बताया कि गैर–ओडीएफ गांवों की तुलना में ओडीएफ वाले इलाकों के बच्चों में वेस्टिंग के मामले 37 प्रतिशत कम थे, जो इस बात की पुष्टि करती है कि स्वच्छता कैसे बचपन के पोषण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। ओडीएफ गांवों के बच्चों में डायरिया के मामले लगभग एक तिहाई कम थे।

फिल्म द सिग्नेचर का ट्रेलर रिलीज, बुढ़ापे की चुनौतियों से जंग लड़ते दिखे अनुपम खेर

दिग्ज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी आने वाली हर फिल्म की राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देखते हैं।अनुपम की फिल्म द सिग्नेचर का भी दर्शकों को इंतजार है और यह इसलिए भी खास है, क्योंकि ये उनके करियर की 525वीं फिल्म है।अब उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें अनुपम ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।

जिंदगीभर तमाम जिम्मेदारियां निभाने के बाद बुढ़ापे में हर कोई आराम और सुकून की जिंदगी बिताना चाहता है, लेकिन असल में वृद्धावस्था की अपनी अलग चुनौतियां हैं।मां–बाप के बुढ़ापे में कैसे उसकी संतान का रवैया बदल जाता है, यही सब इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है। अनुपम एक बुजुर्ग पिता की भूमिका में हैं, जो वृद्धावस्था की चुनौतियों से लड़ते दिख रहे हैं।इस दिल छू लेने वाली कहानी का ट्रेलर काफी भावुक कर देने वाला है।

बेहद दर्दनाक होता है किसी को खो देना, पर बेहद खौफनाक होता है किसी को खो देने का डर, ट्रेलर की यह पंचलाइन किसी को भी भावुक कर दे।ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, भाई ट्रेलर ने ऐसे रुला दिया। फिल्म देखकर क्या होगा।

टीम इंडिया की नई रफ्तार मयंक यादव?

नई दिल्ली, आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू, महज 3–4 मैच खेला और चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया। मगर, इन चंद मौकों में वो लड़का दो बार मैन ऑफ द मैच बना और आईपीएल हिस्ट्री के स्पीड मास्टर में अपना नाम दर्ज करा गया। इम्पैक्ट ऐसा कि पूरी दुनिया उसकी फैन बन गई। नाम है– मयंक यादव। हालांकि, अनफिट होने के कारण पिछले कुछ महीने ये खिलाड़ी गायब था लेकिन अब समय आ गया है उसके कमबैक का। बीसीसीआई ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का ऐलान किया। खिलाड़ियों के नाम सामने आते ही एक ऐसा चेहरा एक बार फिर सुर्खियों में आया, जो आईपीएल में अपनी रफ्तार से गदर मचाने के बाद गायब था। आईपीएल 2024 में डेब्यू करते हुए मयंक यादव ने सुर्खियां बटोरी थी और अब वो बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू के बेहद करीब है।

सिर्फ 4 करोड़ रुपये में रिटेन होंगे एमएस धोनी, बीसीसीआई लाई बिल्कुल नया नियम

नईदिल्ली, पछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स एमएस धोनी को रिटेन करेगी या नहीं? अब जबकि बीसीसीआई ने रिटेंशन नियमों का ऐलान कर दिया है, तो उसके बाद ये कहना गलत नही होगा कि धोनी का रिटेन होना तय है. हालांकि, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि रिटेन होने पर एमएस की सैलरी काफी कम होने वाली है.

5 बार आईपीएल टाइटल जीत चुकी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले अपने पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में बरकरार रख सकती है. दरअसल आईपीएल ने 2008 में बनाए गए उस नियम को वापस लाने का फैसला किया है, जिसके तहत उस खिलाड़ी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर शामिल किया जा सकता है, जिसने कम से कम 5 साल से इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेइंग–इलेवन में शामिल ना किया हो.

याद हो एमएस ने 15 अगस्त 2021 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. लेकिन, उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 में खेला था. ऐसे में अब माही को बतौर अनकैप्ड प्लेयर रिटेन किया जा सकता है.

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का अपने सबसे बड़े स्टार खिलाड़ी एमएस धोनी को रिटेन करना तय है. आपको बता दें, एमएस धोनी को आईपीएल 2024 में खेलने के लिए 12 करोड़ रुपये मिले थे, मगर एक अनकैप्ड प्लेयर की अधिकतम सैलरी 4 करोड़ रुपये होती है. यानी अनकैप्ड प्लेयर बनने पर धोनी की सैलरी 3 गुना कम हो जाएगी. बताते चलें, धोनी ने आईपीएल 2024 में कप्तानी छोड़ी और ऋतुराज गायकवाड़ को कमान सौंपी.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं:रेजिना कैसंड्रा

रेजिना कैसांद्रा, क्राइम थ्रिलर सेक्शन 108 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी, जिन्हें उन्होंने एक अलग श्रेणी का अभिनेता बताया।

अभिनेत्री ने बताया कि कैसे प्रशंसित अभिनेता ने उनकी हिंदी बोलने की क्षमता सुधारने में उनकी मदद की।

रेजिना, जिन्होंने मुगीज, कॉन्ज्यूरिंग कन्नप्पन और एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा जैसी फिल्मों में काम किया है, ने बताया, नवाजुद्दीन सिद्दीकी निश्चित रूप से एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं और मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। वह बहुत विनम्र इंसान हैं, बहुत व्यावहारिक और बहुत केंद्रित हैं।

उन्होंने बताया कि वह अक्सर हिंदी नहीं बोल पाती हैं और रसिख खान द्वारा निर्देशित सेक्शन 108 की शूटिंग के दौरान उन्होंने मदद के लिए नवाजुद्दीन की ओर रुख किया था।

उन्होंने कहा, अगर मुझे कहना ही है और वास्तव में चूंकि मैं दक्षिण से आती हूं, तो मैं उतनी बार हिंदी नहीं बोल पाती जितनी मैं चाहती हूं और मैं इसका अभ्यास भी उतनी बार नहीं करती। हालांकि मैं भाषा जानती हूं, मैं पढ़ और लिख सकती हूं।

अभिनेत्री ने याद करते हुए कहा, एक दिन जब हम अपने दृश्य कर रहे थे, तो मैंने उनकी ओर देखा और कहा, सर, क्या हम दृश्य का एक–दो बार अभ्यास कर सकते हैं, क्योंकि मुझे अपनी हिंदी बेहतर करनी है? तो उन्होंने मेरी ओर देखा और कहा, चिंता मत करो, मेरी अंग्रेजी इतनी अच्छी नहीं है, इसलिए हमें इन दृश्यों का अधिक से अधिक अभ्यास करना होगा।

अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी का आएगा सीक्वल

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी को 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह पिछले साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशन की कमान सुदीप्तो सेन ने संभाली है।15 करोड़ रुपये की लागत में बनी द केरल स्टोरी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 242.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब निर्देशक सुदीप्तो ने द केरल स्टोरी के सीक्वल पर मुहर लगा दी है।सुदीप्तो ने कहा, फिल्म द केरल स्टोरी का सीक्वल बन रहा है। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है।इसके साथ उन्होंने बताया कि द केरल स्टोरी 2 की कहानी हेमा कमेटी पर आधारित नहीं होगी।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए कब जारी होगी रिटेन–रिलीज खिलाड़ियों की लिस्ट

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं, और सबसे ज्यादा चर्चा में है खिलाड़ियों के रिटेंशन से जुड़े नियमों का ऐलान. शनिवार की रात बीसीसीआई की आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने नए रिटेंशन नियमों की घोषणा की, जिससे फैंस और फ्रेंचाइजियों की उत्सुकता बढ़ गई है. आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने के नियमों में कुछ अहम बदलाव किए गए हैं, जिनसे मेगा ऑक्शन और टीमों की रणनीतियों में बड़ा असर देखने को मिलेगा. आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजियों को अधिकतम 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने का विकल्प मिलेगा, जिसमें कैप्ड और अनकैप्ड दोनों प्रकार के खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं. कैप्ड खिलाड़ियों की संख्या अधिकतम 5 होगी, जबकि 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकता है. इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करने का भी विकल्प मिलेगा. यह नियम टीमों को अपनी कोर टीम बनाने में मदद करेगा और बड़े खिलाड़ियों की अदला–बदली पर असर डालेगा. आईपीएल 2025 के लिए रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट को लेकर फैंस में खासा उत्साह है. रिपोर्ट्स की मानें, तो सभी फ्रेंचाइजियों को अपनी रिटेंशन सूची 31 अक्टूबर, 2024 को शाम 5 बजे तक फाइनल कर बीसीसीआई को सौंपनी होगी. इस समयावधि के दौरान अगर कोई अनकैप्ड खिलाड़ी भारतीय टीम के लिए डेब्यू करता है, तो उसे कैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा और उसके रिटेंशन की श्रेणी बदल जाएगी. रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजियों को अपनी पर्स वैल्यू का ध्यान रखना होगा. अगले सीजन के लिए, 5 कैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन करने पर फ्रेंचाइजियों को 120 करोड़ रुपये की पर्स में से 75 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे. पहले रिटेन खिलाड़ी को 18 करोड़, दूसरे और तीसरे खिलाड़ी को क्रमशः 14 करोड़ और 11 करोड़ रुपये मिलेंगे. वहीं, चौथे और पांचवें खिलाड़ी के लिए फ्रेंचाइजी को 32 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे. इसके अलावा, अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए 4 करोड़ रुपये की राशि तय की गई है.

एक नजर

शिक्षकों की नियुक्ति आयोग के माध्यम से लिखित परीक्षा के द्वारा कराने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वार। बीएड प्रशिक्षित युवा संघ के प्रवक्ता अरविंद दुदपुड़ी ने अपने एक वक्तव्य में कहा कि उत्तराखण्ड में अशासकीय इंटर कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति आयोग के माध्यम से लिखित परीक्षा के द्वारा कराने की मांग की है । शिक्षकों की नियुक्ति में पूर्व की भांति अधिकतम आयु सीमा का कोई प्रावधान नही होना चाहिये । उन्होंने कहा राज्य के शिक्षा मंत्री विधानसभा सत्र में इसकी घोषणा कर चुके हैं लेकिन अभी तक यह मुदा न कैबनेट में आया न ही इस पर कोई शासनादेश जारी हुआ साथ ही संघ प्रवक्ता ने कहा कि महाबिद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति में एपीआई प्रणाली को समाप्त किया जाना चाहिये। यह उत्तराखण्ड के युवाओं के हित मे नही है साथ ही असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति में भी अधिकतम आयु सीमा का प्रावधान समाप्त किया जाय।

बीडी रतूडी के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक तथा उत्तराखंड सरकार में दर्जाधारी राज्य मंत्री रहे बी डी रतूड़ी के निधन पर उत्तराखंड क्रांति दल महानगर कोटद्वार के कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया।

यूकेडी के संरक्षक डॉ. शक्ति शैल कपरवाण ने कहा कि स्वर्गीय वी डी रतूड़ी की उत्तराखंड राज्य आंदोलन में बहुत बड़ी भूमिका थी, वे राज्य आंदोलन के स्तंभ थे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रतूड़ीऔर मैं 19 87-88 में यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री रहे और उनके साथ आंदोलन में काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके निधन से उत्तराखंड क्रांति दल को बड़ी क्षति हुई है। केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वी डी रतूड़ी एक विद्वान एडवोकेट और वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी थे। वे दल के एक समझदार नेता थे । उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता। शोक व्यक्त करने वालों में केन्द्रीय उपाध्यक्ष जग दीपक सिंह रावत, केंद्रीय महामंत्री सत्य प्रकाश भारद्वाज, महानगर अध्यक्ष पुष्कर सिंह रावत, बौद्धिक प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवेश नवानी, संगठन मंत्री हरीश द्विवेदी, केन्द्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह नेगी,मोहन काला, विनोद चौधरी, गुलाब सिंह रावत, जनार्दन ध्यानी, मेहरबान सिंह नेगी,ओम प्रकाश ,सतपाल नेगी आदि थे ।

पॉलिटेक्निक में ब्रांचों को बंद करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि अगर हमें नौजवानों को रोजगार देना हैं तो उन्हें टेक्निकल एजुकेशन देनी पड़ेगी, स्किल डेवलपमेंट करना पड़ेगा... पीएम मोदी ने यह बातें 12 अगस्त 2015 को कही थीं। इसके विपरीत उत्तराखंड की धामी सरकार का प्राविधिक शिक्षा विभाग 15 पॉलिटेक्निक संस्थानों में विभिन्न ब्रांचों को बंद कर रहा है। इसके पीछे यह कारण दिया जा रहा कि छात्र कम हैं या एडमिशन नहीं हुए। आर्य ने कहा कि जिन ब्रांचों को बंद किया जा रहा है, उनमें बिग डाटा, गेमिंग एंड एनीमेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी ब्रांच शामिल हैं, जो टेक्नोलॉजी की दुनिया में सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धामी सरकार अपने राज में तकनीकी प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार तो दे नहीं पाई, अब रोजगार के अवसर भी हमेशा के लिए खत्म करने पर आमदा है। राज्य सरकार निजी तकनीकी संस्थाओं को बढ़ावा देकर आर्थिक रूप से कमजोर व मध्यम वर्ग के युवाओं को बेरोजगार बनाने की साजिश रच रही है। सरकार तकनीकी संस्थान की ब्रांच बंद कर इसकी शुरुआत कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं रहेगी और सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

दून के ध्रुव का वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए चयन

देहरादून। देहरादून निवासी ध्रुव नेगी का चयन चीन के नानचांग शहर में सोमवार से होने वाली बीडब्लूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए हुआ है। वहीं भारतीय टीम में अल्मोड़ा निवासी लोकेश नेगी का बतौर कोच चयन हुआ है। उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी ने बताया कि ध्रुव का चयन टीम इवेंट और व्यक्तिगत इवेंट दोनों के लिए हुआ है। वह इससे पहले भी जूनियर एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप और सब जूनियर एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। लोकेश नेगी भी पूर्व में कई बार विदेशों में भारतीय टीम के कोच बनकर जा चुके हैं। ध्रुव वर्तमान में प्रकाश पादुकोण अकादमी बंगलौर में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

कोटद्वार के रहने वाले युवा डाक्टर कार्तिकेय श्रीवास्वत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पातल में कार के भीतर मिला शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार के कालाबड़ निवासी युवा चिकित्सक डाक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव की उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कार्तिकेय स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल प्रयागराज में आर्थोपेडिक (हड्डी रोग) विभाग में जेआर–2 के पद पर तैनात थे। उनके पिता केके श्रीवास्वत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में प्रोफेसर रह चुके हैं। साथ ही उनकी माता प्रतिभा श्रीवास्तव एक अधिवक्ता हैं। कालाबड़ निवासी 29 वर्षीय डाक्टर कार्तिकेय प्रयागराज में जार्जटाउन स्थित एक फ्लैट में रहते थे। शनिवार को आपरेशन थियेटर में ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपने साथी डाक्टर से तबीयत खराब होने की बात कही और इंजेक्शन लगवाकर चले गए थे। कुछ घंटे बाद साथी डाक्टरों ने उनके मोबाइल पर काल किया। लेकिन, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। रात के समय अस्पाल परिसर के सामीप पार्किंग में खड़ी अपनी कार के भीतर डाक्टर कार्तिकेय बेसुध मिले। आनन–फानन में उन्हें मेडिसिन विभाग में आइसीयू में ले जाया गया। लेकिन, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। छानबीन में डाक्टर कार्तिकेय की कार के भीतर से मसल्स को रिलैक्स करने वाला इंजेक्शन वैक्रोमियम मिला है। इस इंजेक्शन का उपयोग आपरेशन के दौरान मरीज पर किया जाता है। मौके पर पहुंची प्रयागराज पुलिस चिकित्सक की मौत के कारणों का पता कर रही है। इसके लिए बकायदा पार्किंग स्थल में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। डाक्टर कार्तिकेय के पिता डा. केके श्रीवास्तव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में प्रोफेसर के पद पर रह चुके हैं। वर्ष 2016-17 में वह राजकीय महाविद्यालय चकरौता से प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। कार्तिकेय की माता प्रतिभा श्रीवास्तव शहर की प्रतिष्ठित अधिवक्ता है।

प्रयागराज में चिकित्सक की मौत की जांच करती पुलिस

बहन जेल अधीक्षक, दो भाई भी हैं डॉक्टर

डॉ. कार्तिकेय तीन भाई और एक बहन में दूसरे नंबर पर थे। उनके दो भाई अंकित और अक्षत भी डॉक्टर हैं और उनकी बहन अदिति जेल अधीक्षक के पद पर बिजनौर में तैनात हैं। घटना की जानकारी पर सभी प्रयागराज आने के लिए चल दिए थे।

लॉक नही थी कारपुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब जूनियर डॉक्टर वाहन पार्किंग में पहुंचे तो कार भीतर से लॉक नही थी। यही वजह थी कि पुलिस को घटना की जानकारी तुरंत दी गई। पुलिस पार्किंग स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

महिलाओं ने किया शराब की दुकान का विरोध, किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भाबर क्षेत्र के जशोधरपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान को मुख्य मार्ग पर शिफ्ट किए जाने के विरोध में रविवार को महिलाओं ने किशनपुरी के मिलन चौक पर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने मौके पर सरकार के विरोध में नारेबाजी कर धरना दिया। महिलाओं के धरने को कांग्रेस ने भी अपना समर्थन दिया। धरना–प्रदर्शन की सूचना पर तहसीलदार साक्षी उपाध्याय मौके पर पहुंची। उनसे इस संबंध में लिखित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद महिलाओं ने धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। रविवार सुबह दस बजे के करीब क्षेत्र की महिलाएं मिलन चौक पर एकत्रित हुई और वहां पर धरने पर बैठ गई। इस दौरान महिलाओं ने कहा कि शराब की दुकान को मुख्य मार्ग पर शिफ्ट करना अनुचित है। इससे माहौल खराब होने संभावना है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर महिलाओं के आंदोलन को समर्थन दिया। यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय रावत ने कहा कि माहौल खराब करने वाले किसी भी कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। शराब की दुकान के मुख्य मार्ग पर शिफ्ट हो जाने से आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धरना प्रदर्शन को समर्थन देने वालों में महानगर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष कोटद्वार प्रवीन रावत, धीरेंद्र बिष्ट, सुदर्शन रावत, विनीता भारती, प्रीति देवी, सुरमान रावत ,छात्र संघ अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल ,नीरज बहुगुणा और बॉबी बिष्ट सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

कूड़ा निस्तारण शुल्क लेने का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः रविवार को जिला पंचायत सभागार में व्यापार सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने कूड़ा निस्तारण शुल्क लिए जाने का विरोध करते हुए अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग भी की। रविवार को जिला पंचायत के पुराने सभागार में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने कहा कि शहर में बस स्टैंड में मौजूदा टैक्सी स्टैंड में गंदगी से यात्रियों के साथ ही वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कहा कि बस स्टैंड की मौजूदा स्थिति को देखते हुए टैक्सी स्टैंड को शिफ्ट किया जाना चाहिए। व्यापारियों ने पूर्व की भांति टैक्सी वाहनों का संचालन करने, कूड़े पर देय शुल्क का ट्रंचिंग ग्राउंड बनने तक पूर्ण रूप से विरोध करने, शरदोत्सव का आयोजन, सिटी बस को बुआखाल तक संचालित करने सहित विभिन्न समस्याओं को प्राथमिकता से उठाते हुए उनके निराकरण की मांग भी की। व्यापारियों ने हर महीने बैठक का आयोजन करने पर जोर दिया।

व्यापार सभा के अध्यक्ष विनय शर्मा ने कहा कि व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रशासन से वार्ता की जाएगी। बैठक में उपाध्यक्ष प्रवीण असवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज रावत अंजुल, सचिव देवेंद्र सिंह रावत, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत, शिवचरण गुलाटी, अरविंद नेगी, बीरेंद्र सिंह रावत, राजेंद्र सिंह रावत आदि शामिल रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग मरम्मत की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहरवासियों ने प्रदेश व केंद्र सरकार से राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति में सुधार करने की मांग की है। कहा कि जगह–जगह गायब हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। साथ ही पहाड़ से भी लगातार बोल्डर व मलवा गिर रहा है। समस्या के संबंध में कोटद्वार निवासी राजीव कुमार ने सरकार को पत्र भेजा। बताया कि गत वर्षा काल से कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग बदहाल पड़ा हुआ है। इस वर्ष भी वर्षाकाल में राष्ट्रीय राजमार्ग काफी चुनौती बन रहा है। कुछ माह पूर्व पहाड़ी से बोल्डर गिरने के कारण एक मैक्स सवार व्यक्ति की मौत भी हो गई थी। जगह–जगह हाईवे का हिस्सा ढह चुका है। पहाड़ी से गिर रहे बोल्डर कब किसकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। 15 किलोमीटर के सफर के दौरान यात्रियों की सांसें अटकी रहती हैं। कहा कि आजन की सुविधा को देखते हुए जल्द हाईवे की मरम्मत करवाई जानी चाहिए।

गुलदार की दहशतः अभिभावकों की देखरेख में स्कूल जाएंगे बच्चे

ग्रामीणों ने उठाई गुलदार को कैद करने के लिए पिंजरा लगवाने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वारःद्वारीखाल ब्लॉक के ग्राम ठांगर में भले ही गुलदार अब नजर न आ रहा हो लेकिन, अब पिछले एक सप्ताह से बंद स्कूलों को सोमवार से खोलने का निर्णय ले लिया गया है। अभिभावक स्वयं ही अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने व लेने के लिए जाएंगे।

इस दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने की भी मांग उठाई।

मालूम हो कि 21 सितंबर को गुलदार ने ग्राम ठांगर में सात वर्षीय कार्तिक पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल कार्तिक को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। गांव में हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में वन कर्मियों की तैनाती की गई। साथ ही क्षेत्र के सभी नौ विद्यालयों में एक सप्ताह तक अवकाश की घोषणा की गई। पिछले एक सप्ताह से वन विभाग क्षेत्र में लगातार गश्त कर रहा है। लेकिन, कहीं भी गुलदार नजर नहीं आया। ऐसे में अब सोमवार से सभी विद्यालयों को खोलने का निर्णय लिया गया। विद्यालय खोलने को लेकर बकायदा प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ बैठक भी की। वहीं, बैठक में सहमति के बाद भी कई अभिभावकों में अपने पाल्यों को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीण जीत सिंह रावत ने बताया कि अभिभावकों ने निर्णय लिया है कि वह अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने व लेने के लिए स्वयं ही जाएंगे। लेकिन, गुलदार की दहशत अब भी बरकरार है। ग्रामीणों ने गुलदार को कैद करने के लिए क्षेत्र में पिंजरे लगवाने के साथ ही समय–समय पर वन विभगा की गश्त करवाने की भी मांग उठाई।

ग्राम ठांगर में गुलदार की दहशत से मुक्ति के लिए बैठक करते ग्रामीण

शिविर में 48 यूनिट रक्त हुए एकत्रित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बाल भारती सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान और विमला कुन्दन सेवाग्राम ट्रस्ट के सहयोग से रविवार को विद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। इस दौरान परिवर्तन चेरिटेबल ब्लड सेंटर ऋषिकेश के कर्मचारियों के सहयोग से 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। वहीं मैक्स हास्पिटल देहरादून के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया था। आयोजित शिविर में सदस्यों ने आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक किया। कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। मौके पर ट्रस्ट की सदस्य हिमानी रावत, प्रधानाचार्य गिरिराज सिंह रावत, उप प्रधानाचार्या सरोजनी रावत , एनएसएस गढ़वाल मण्डल समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ,पूर्व जिला समन्वयक परितोष रावत, कार्यक्रम अधिकारी मुकेश भण्डारी , दिनेश राणा, राकेश मोहन ध्यानी, शंकर बहादुर, आशा रावत , आधार शिला रक्तदान समूह के संरक्षक दलजीत सिंह और नितिन दिवाकर सहित विद्यालय के स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

आयोजित शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता

हृदय रोग से बचाव की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः स्वास्थ्य विभाग की ओर से विश्व हृदय दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंडियाल में जनजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रभारी चिकित्साधिकारी घंडियाल डा.आशीष गुसाईं ने प्रतिभागियों को हृदय से संबंधित रोगों एवं उनसे बचाव की जानकारी दी। बताया कि प्रदूषण, असंतुलित दिनचर्या, मानसिक तनाव आदि से लोग हृदय रोग से जुड़ी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिससे आज के समय में कम उम्र में हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। कहा कि हृदय से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए, साथ ही हृदय से संबंधित रोगों से बचाव के लिए धुम्रपान, तम्बाकू, नशा इत्यादि से दूर रहना चाहिए। कहा कि बढ़ती उम्र के साथ ही समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए वजन को नियंत्रित रखें व मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम और योगासन करें। इस मौके पर ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक शरद रौतेला, श्वेता, राजीव रावत, मनीष भट्ट, अमित, अनीता आदि शामिल थे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः रविवार को प्रेक्षागृह में हिल्स इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में शहर टॉप करने पर आकृति को सम्मानित किया। रविवार को प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव में हिल्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्र–छात्राओं ने गढ़वाली, पंजाबी, गरबा, हिंदी, चेयर डांस आदि की शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के देशभक्ति गीतों पर आधारित नृत्य ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। सत्य घटना पर आधारित बच्चों के उपर अत्यधिक मानसिक दबाव उनको उनकी जान लेने पर मजबूर कर रहा है विषय पर आधारित नृत्य नाटिका आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में शहर टॉप करने पर आकृति के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि डायरेक्टर एंटिटी डाटा अनिल रावत ने वार्षिकोत्सव का उद्घाटन किया। कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य अनीता रावत, पूर्व सभासद यशोदा नेगी आदि शामिल रहे।

समिति ने उठाई मुआवजा राशि बढाने की मांग

जरूरत प्रतिनिधि। कोटद्वारः स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने वन विभाग व प्रदेश सरकार से वन्य जीवों के हमलों में जान गंवाने वाले परिवार की मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने मुआवजा राशि पचास लाख रुपये करने व प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की है। कहा कि प्रदेश में वन्य जीवों के हमलों में मृतकों की जान की कीमत कौड़ियों में आंकी जा रही है, जो अनुचित है।

राज्य में 3900 क्लस्टर में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार, खेती किसानी की तरक्की के लिए प्रयासरत है। इसके लिए कृषि विभाग कई कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। साथ ही केंद्र सरकार की अहम योजनाओं के लाभ भी प्रदेश के किसानों तक पहुंचाए जा रहे हैं। कृषि विभाग किसानों को प्रमाणित बीज वितरण, कृषि उपकरणों की उपलब्धता, सिंचाई सुविधा, उर्वरक, कीट नियंत्रण, फसल बीमा की सुविधा देने के साथ ही केंद्र सरकार के सहयोग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ दे रहा है। सरकार किसानों को अपने खेत की मिट्टी के पोषक तत्वों की जांच करते हुए, उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, इसके लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना चलाई जा रही है। योजना के तहत भारत सरकार द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 508. 89 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत कलस्टर के आधार पर चयनित गांवों जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में यह योजना 3900 क्लस्टर में संचालित की जा रही है, इसके लिए भारत सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 13127.40 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। सम्मान निधि से लाभांवित हो रहे हैं 8.88 लाख किसानः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश में 8.88 लाख पंजीकृत किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपए की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में दी जा रही है।

पौड़ी पुलिस के नाम रहे दो स्वर्ण पदक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः स्टेट गेम्स उत्तराखंड में पौड़ी पुलिस ने वुशु व एयर पिस्टल निशानेबाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीते हैं। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने जीते प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी है। प्रतियोगिता में महिला उपनिरीक्षक हेमलता द्वारा 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी प्रतियोगिता में और अपर उपनिरीक्षक मनाली राठी द्वारा 75 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर पौड़ी पुलिस का मान बढ़ाया गया। एसएसपी ने दोनों कुशल खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए अग्रिम प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी है।

अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर देता हैः नौटियाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आचार्य शिवस्वरूप नौटियाल ने कहा कि व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर देता है।

सिम्मलचौड़ में आयोजित भागवत कथा में नौटियाल ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था।

भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए शास्त्री ने कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतरित होते है जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल कृष्ण भगवान जी के जयकारों से गूंजने लगा। इस भागवत कथा को यतिन शाह, निर्मल शाह, शिशुपाल शाह, पुष्कर शाह बंधु आयोजित करवा रहें है कथा श्रवण में सिम्भलचौड़,पदमपुर, लालपुर, तडियाल चौक के काफ़ी संख्या मौजूद थे।

आयोजित कथा में मौजूद लोग

एक राष्ट्र, एक विधान के पक्षधर रहे पंडित दीनदयालः महाराज

जम्मू–कश्मीर में धारा 370 के हमेशा विरोधी रहे पंडित जी , पंडित दीनदयाल के जन्मोत्सव पर महाराज ने किया स्मृति महोत्सव मेले का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून/मथुराः पंडित दीनदयाल उपाध्याय जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के हमेशा विरोधी रहे। वह भारत की अखण्ड के लिए लगातार संघर्षरत रहे। जम्मू-कश्मीर को लेकर एक राष्ट्र और एक विधान के वह हमेशा से ही प्रबल समर्थक रहे।

उक्त बात प्रदेश के धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा, फरह के दीनदयाल धाम में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर 29 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले इस स्मृति महोत्सव मेले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मभूमि स्मारक समिति द्वारा विशाल मेला एवं ग्रामीण विकास प्रदर्शनी के साथ-साथ लोक-कला, लोक संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, भूमि संरक्षण, गौ सेवा, महिला सशक्तिकरण और ह्लपुरातन सामर्थ्य के साथ-साथ नया भारतह्व जैसे विषय पर गोष्ठी एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर आज स्मृति महोत्सव मेले में उपस्थित अपार जन समुदाय को संबोधित करते हुए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पंडित दीनदयाल द्वारा प्रस्तुत दर्शन एकात्मक मानववाद का उद्देश्य एक ऐसे स्वदेशी सामाजिक, आर्थिक मॉडल को प्रस्तुत करना है जिसमें विकास के केंद्र में मानव हो। एकात्मक मानववाद अंत्योदय अर्थात समाज के निचले स्तर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। उनका यह सिद्धांत विविधता को प्रोत्साहन देता है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में पंडित जी का ही अनुसरण किया था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी दूरदर्शी सोच एवं देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ह्लोकल फॉर वोकलह्व को धरातल पर उतारा है। महाराज ने कहा कि दीनदयाल जी ने मानव के संपूर्ण विकास के लिए आत्मिक विकास के साथ-साथ वर्गहीन, जातिहीन और संघर्ष मुक्त समाज की कल्पना की थी। पंडित जी ने कहा था कि हमारे राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है। भारत माता से यदि माता शब्द हटा दिया जाए तो भारत केवल एक जमीन का टुकड़ा मात्र बनकर रह जाएगा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले में आए लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल की जयंती पर हम सभी भारत माता को सुजलाम सुफलाम के वास्तविक अर्थों को धरातल पर उतरने के लिए स्वयं को समर्पित करें। आत्मनिर्भर और समावेशी भारत बनाने का संकल्प लें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय गौ सेवा संयोजक अजीत महापात्र, अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य अद्वैत चरण दत्त, विश्व हिन्दू परिषद, केंद्रीय मार्ग दर्शक दिनेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, बृज प्रान्त के ग्राम्य विकास प्रमुख आर्येन्द्र, दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, नवकानन पंचकर्म उड़पिकर नाटक कर्नाटक के तन्मय गोस्वामी के अलावा आयोजन समिति एवं स्मारक समिति के सोहनलाल शर्मा, मनीष अग्रवाल, नरेंद्र कुमार पाठक, मधुसूदन दादू, केशव कुमार शर्मा एवं अभिषेक जैन आदि मौजूद थे।

मथुरा में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सतपाल महाराज

एक नजर

एएसपी ने थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया

नई टिहरी। अपर पुलिस अधीक्षक जेआर जोशी ने रविवार को जनपद के थाना हिन्डोलाखाल थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस मौके पर एएसपी ने जनहित की पुलिसिंग करने के निर्देश थानाध्यक्ष व पुलिसकर्मियों को दिये। थाने के निरीक्षण के दौरान एएसपी ने सर्वप्रथम सलामी गार्द का निरीक्षण किया। जिसके बाद आपदा उपकरणों, सरकारी संपत्ति, माल मुकदमाती, आर्म्स–एमूनेशन का निरीक्षण कर थाने के कार्मिकों से शस्त्रों की हैंडलिंग, आवश्यकता के समय बेहतर प्रयोग एवं आपदा उपकरणों के दैवीय आपदा की स्थिति में कुशल प्रयोग किस प्रकार किया जाए के संबंध में जानकारी ली। थाना परिसर के भोजनालय, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, कर्मचारी बैरक, महिला एवं शिशु सहायता पटल का भ्रमण कर निरीक्षण किया किया। थाना परिसर थाना कार्यालय व भोजनालय की साफ–सफाई का भी जायजा लिया।

आक्रोशित आपदा प्रभावितों ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गेवाली में आई प्राकृतिक आपदा के एक माह बाद भी प्रभावितों की समस्याएं जस की तस बनी हैं। समस्याओं पर कोई कार्रवाई न होने से आक्रोशित प्रभावितों ने 11 अक्तूबर से तहसील मुख्यालय पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी है। बीते 22 अगस्त की रात्रि सीमांत गांव गेंवाली के ऊपर अतिवृष्टि और बादल फटने से गांव में भारी तबाही हुई थी। गांव में घुसे बरसाती मलबे से ग्रामीणों के खेत, मकान, फसल, पैदल रास्ते, सिंचाई नहरें, पेयजल लाइनों के साथ स्कूल भवनों को बड़ी मात्रा में नुकसान हुआ। पूर्व प्रधान वचन सिंह रावत ने आरोप लगाते हुए कहा कि गांव में आपदा आए एक माह बीत गया है। लेकिन शासन–प्रशासन का कोई भी नुमाइन्दा गांव नहीं आया है।

डीएम से की खोखे आवंटन की मांग

नई टिहरी। बांध प्रभावित कुछ स्थानीय लोगों ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र सौंपकर खोखे आवंटन करने की मांग की है। इनका कहना है कि खोखे आवंटन न होने के चलते वह कारोबार शुरू नहीं कर पा रहे हैं। जिसके चलते उन्हें आजीविका चलाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीएम को सौंपे पत्र में लोगों का यह भी कहना है कि खोखा आवंटन न होने से उनका व्यवसाय चौपट हो रखा है। जबकि कुछ अधिकारी उन्हें मात्र खोखे आवंटन के लिए चक्कर कटवा रहे हैं, लेकिन खोखे आवंटन नहीं कर रहे हैं। खोखे आवंटन के लिए भूमि चयन व धनराशि भी जमा हो रखी है। लेकिन आवंटन न होने के चलते उनकी आजीविका शुरू नहीं हो पा रही है। जिसके चलते भारी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। पत्र सौंपने वालों में भगवती प्रसाद बैलवाल, राकेश जोशी, लाखी राम उनियाल, सोबत पुंडीर, गिरजा सेमवाल आदि शामिल रहे।

रानीहाट–नैथाना मोटर पुल पर चलाया सफाई अभियान

श्रीनगर गढ़वाल। समाजिक और सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम श्रीनगर के बैनर तले रानीहाट–नैथाना मोटर पुल सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर पुल पर पडी प्लास्टिक की बोतले, रेपर सहित अन्य कूड़े को एकत्रित कर उसका निस्तारण किया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र बर्थवाल ने कहा कि संस्था द्वारा लगातार पांच दिनों से यहां पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, बावजूद भी कुछ आसामाजिक तत्वों द्वारा लगातार गंदगी फैलाई जा रही है।

उन्होंने सभी लोगों से स्वच्छ बनाएं रखने की अपील की है। मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष मुकेश नौटियाल, कोषाध्यक्ष भगत सिंह बिष्ट, रमेश चंद्र थपलियाल, भगवती प्रसाद पुरी, दीनबंधु सिंह चौहान, हरेंद्र तोमर, अजय तोमर सहित आदि मौजूद थे।

नालियों में अतिक्रमण करने पर 44 दुकानदारों पर कार्यवाही

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत रविवार को अतिक्रमण को लेकर निगम प्रशासन ने अभियान चलाया गया। नगर निगम श्रीनगर के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि उपजिलाधिकारी श्रीनगर नुपूर वर्मा के निर्देशन पर श्रीनगर के मुख्य बाजार गणेश बाजार, गोला पार्क आदि स्थानों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान निकाय प्रशासन ने नालियों और फुटपाथ पर सामान पर सामान रखने के चेतावनी देते हुए सामान हटाने को कहा।

पारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभाल स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला : राज्यपाल

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को एम्स ऋषिकेश में पारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभाल पर 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के डॉक्टर्स ने विभिन्न सत्रों में आयोजित चर्चाओं में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने सराहनीय सेवाएं देने वाले डॉक्टर्स को सम्मानित किया और इस सम्मेलन की स्मारिका का भी विमोचन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि ह्यपारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभालह्ल स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। पारिवारिक चिकित्सक परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य स्थिति को समझकर बेहतर इलाज प्रदान कर सकते हैं। पारिवारिक चिकित्सा केवल रोग के इलाज तक सीमित नहीं होती, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और रोकथाम पर भी ध्यान देती है। बढ़ती हुई बीमारियों के दौर में इलाज की आवश्यकता कम, बचाव एवं काउंसिलिंग की जरुरत ज्यादा है। कोई भी परिवार या व्यक्ति अपने खान–पान, तनाव, घरेलू हिंसा, परेशानी, व्यक्तिगत परेशानियों के बारे में पारिवारिक चिकित्सक की सलाह लेना पसंद करते हैं। इसलिए फैमिली मेडिसिन और प्राइमरी केयर चिकित्सकों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे डॉक्टर्स जनसमुदाय के बीच में जाकर समाज और परिवार की सतत निगरानी और काउंसिलिंग करें तो शायद बीमारियां अपना खतरनाक रूप ले ही नहीं पाएंगी और बीमारी बढ़ने से पहले ही ठीक हो जाएगी। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग गंभीर अवस्था में ही चिकित्सकों के पास जाते हैं। प्राथमिक देखभाल को मजबूत करने से विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

अवैध शराब परोसने पर मुकदमा दर्ज

नई टिहरी। मुनिकीरेती पुलिस ने थानाक्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार करने व अवैध रूप से शराब परोसने वाले होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंटों को लेकर रविवार को चेकिंग अभियान चलाया। नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक मुनिकीरेती के नेतृत्व में पुलिस ने तपोवन क्षेत्र में होटल और रेस्टोरेंटों को चेक किया गया। चेकिंग के दौरान एक होटल संचालक द्वारा होटल में शराब को अवैध रूप से ग्राहकों को परोसा जा रहा था। एक होटल में होटल प्रबंधक प्रियव्रत तोमर पुत्र जयवीर निवासी शालीमार गार्डन थाना कंकरखेड़ा अवैध रूप से शराब परोसा रहा था। जबकि शराब परोसाने का लाइसेंस नहीं पाया गया। जिसके चलते आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।। चेकिंग के दौरान प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह, एसएसआई योगेश चंद्र पांडेय, एसआई प्रदीप, अरविंद आदि मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी की बैठक में जन समस्याओं पर हुई चर्चा

रुद्रप्रयाग। आम आदमी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की रविवार को आयोजित बैठक में जोत सिंह बिष्ट को जिला संयोजक और सुनील भट्ट को जिला मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और पेयजल जैसी मुलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा भी की गई। जबकि कई कांग्रेसियों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। मुख्यालय स्थित काली कमली धर्मशाला में आयोजित बैठक में आप के प्रदेश संगठन मंत्री गणेश भट्ट ने कहा कि पहाड़ों में आम आदमी स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित इलाज न मिलने के कारण बेस अस्पताल श्रीनगर रेफर करना पड़ता है, किंतु उन्हें वहां से भी देहरादून रेफर कर दिया जाता है। कहा कि भाजपा और कांग्रेस की सरकारों में जनपद मुलभूत सुविधाओं से जूझ रहा है। कहा कि आगामी नगर निकाय एवं पंचायत चुनाव में पार्टी अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारेगी। बताया कि नगर पालिका रुद्रप्रयाग की जन समस्याओं को लेकर जल्द आम आदमी पार्टी आंदोलन शुरू करेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी सेवा दल के पूर्व जिलाध्यक्ष पीके रूडियाल ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश पंवार, अमरजीत रूदिया, यशवंत नेगी, पुरुषोत्तम चंद्रवाल, देवेंद्र बिष्ट, अरविंद पंवार, देवप्रकाश, कलम सिंह रावत ने अपने विचार व्यक्त किए।

एतिहासिक गौचर मेले की तैयारियां शुरू

चमोली। राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले की तैयारियों को लेकर रविवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में जीआईसी गौचर के सभागार बैठक हुई।

बैठक में मेले को भव्य स्वरूप देने एवं सफल आयोजन के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों से सुझाव लिए गए। डीएम ने कहा कि 14 नवंबर से शुरू हो रहा गौचर मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।

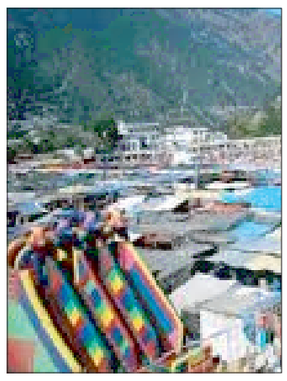

जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों के सुझावों को मेला समिति में रखकर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सबके सहयोग से मेले को आकर्षक एवं भव्य ढंग से आयोजन कराया जाएगा। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेले के दौरान गौचर बाजार और क्षेत्र का विशेष सौंदर्यीकरण, नगर में पार्किंग, परिवहन, साफ–सफाई एवं सुरक्षा के सभी इंतेजाम किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने एसडीएम/मेला अधिकारी को मेला समिति के अन्तर्गत सभी समितियों का गठन करने के निर्देश दिए। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को मौका देने, मुख्य पांडाल को आकर्षक व बडा बनाने, मेले में लगने वाले स्टॉल एवं दुकानों का शुल्क निर्धारण और पार्दर्शिता के साथ दुकानों का आवंटन कराने, मेले में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने, महिला मंगल दलों को अवसर देने, खेलकूद प्रतियोगिताओं का स्तर आगे बढाने, नगर में पार्किंग व सुरक्षा की समुचित व्यवस्था के साथ मेला गेट व मुख्य बाजार का सौन्दर्यीकरण करने, बिजली, पानी व रसोई गैस की आपूर्ति सुचारू रखने आदि के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस दौरान मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीएम संतोष पांडेय, सीएमओ डॉ. राजकेश पांडेय, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, एपीडी केके पंत, तहसीलदार सुधा डोभाल, ईश्वरी मैखुरी, राकेश लिंगवाल, हर्षबल्लभ थपलियाल आदि थे।

ब्लॉक स्तरीय सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता चार को

उत्तरकाशी। नौगांव ब्लॉक के अंतर्गत चार अक्तूबर को ब्लॉक स्तरीय सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज बर्निगाड़ में आयोजित किया जाएगा। जिसमें नौगाँव ब्लॉक के लगभग 30 विद्यालयों के बच्चे प्रतिभाग करेंगे। बच्चों में सामान्य ज्ञान में रुचि उत्पन्न करने हेतु प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें विद्यालय स्तर से टीम ब्लॉक स्तर, जिले स्तर और फिर राज्य स्तर तक इस प्रतियोगिता में भाग लेती है।

ब्लॉक समन्वयक विनोद मल्ल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस बार ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में क्षेत्र की उद्यमी शीतल गौड़ ग्रास फ्यूलिंग स्टेशन सारीगाड़ मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों के बीच अपनी गरिमामय उपस्थिति से छात्रों को अपने अनुभवों से लाभान्वित करेंगी।

ऋषिकेश में सशक्त भू–कानून को लेकर निकाली महारैली

ऋषिकेश। उत्तराखंड में एक बार फिर भूमि कानून के मुद्दे ने जोर पकड़ लिया है। तीर्थनगरी में सशक्त भू–कानून की मांग को लेकर रविवार को महारैली निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस में युवाओं और महिलाओं की संख्या अधिक रही। आईडीपीएल हॉकी मैदान से निकली महारैली विभिन्न मार्गों से होकर त्रिवेणीघाट पर संपन्न हुई। रैली में शामिल लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखा। तीन किलोमीटर की दूरी तय करने में रैली को डेढ़ घंटे का समय लगा। मूल निवास और भू–कानून समन्वय संघर्ष समिति के आह्वान पर रविवार को सुबह 10 बजे से आईडीपीएल हॉकी मैदान में लोग एकत्रित होने लगे। करीब 11 बजे तक मैदान लोगों से भर गया। रैली में महिलाएं उत्तराखंडी पारंपरिक पोशाक पहनकर भी पहुंची थी। करीब 11 बजकर 40 मिनट पर आईडीपीएल मैदान से ढोल–नगाड़ों के बीच रैली निकली। जो सिटी गेट, हरिद्वार मार्ग, कोयलघाटी, लोनिवि तिराहा होकर त्रिवेणीघाट पहुंची। रैली में युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंची। करीब डेढ़ घंटे में रैली आईडीपीएल से तीन किलोमीटर की दूरी तय कर त्रिवेणीघाट पहुंची। जहां सभा आयोजित की गई। संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि यह राज्य के मूल निवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ाई है। उनके संसाधनों और रोजगार को सुरक्षित करने की मुहिम है। अभी तक इन मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। इसलिये वह इस अभियान में शामिल होकर अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं। राज्य सरकार को चाहिए कि वह अपने राज्य की जरूरतों के हिसाब से भू–कानून तैयार करे। भू–कानून में राज्य में सभी प्रकार की कृषि एवं बागवानी की भूमि की खरीद फरोख्त और लीज पर देने की प्रक्रिया पर पूर्णतः रोक लगनी चाहिए। इसके अलावा कृषि एवं बागवानी की भूमि के भू उपयोग परिवर्तन पर भी स्थायी रूप से रोक लगे। समिति महासचिव प्रांचल नौड़ियाल ने कहा कि महारैली से सरकार को भी सशक्त भू–कानून और मूल निवास लागू करने का मजबूत संदेश गया है। रैली में बड़ी संख्या में शामिल होकर लोगों ने साफ संदेश दिया है कि अब राज्य की जनता खामोश रहने वाली नहीं है। समाजसेवी कुसुम जोशी ने कहा कि वर्तमान में भू–कानून के मुद्दे पर उत्तराखंडी जनमानस में बेचैनी व्याप्त है। मुख्य चिंता भू–माफिया द्वारा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि भूमि को बड़े पैमाने पर सस्ते में खरीदकर व्यवसाय के नाम पर हथियाने की है। इन जमीनों पर कोई व्यवसाय तो खड़ा नहीं हुआ, लेकिन जमीन कृषक के हाथ से निकल गई।

डीएम ने आपदा प्रभावित बहुगुणा नगर का किया निरीक्षण, प्रभावितों की सुनी समस्या

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने रविवार को कर्णप्रयाग के भू धसाव क्षेत्र बहुगुणा नगर का निरीक्षण किया और प्रभावितों की समस्या सुनी। बहुगुणा नगर में भूधंसाव के कारण 39 परिवार प्रभावित है। प्रभावित परिवारों को बमोथ और ग्वाड में विस्थापन का प्रस्ताव शासन को पहले ही भेजा गया है। प्रभावितो ने जिलाधिकारी से कहा कि वो विस्थापन नहीं चाहते है। भूधंसाव से उनके मकानों को जो क्षति हुई है उसका निर्धारित सर्किल रेट पर उनको मुआवजा दिया जाए और उसके बाद बहुगुणा नगर का ट्रीटमेंट किया जाए। उप जिलाधिकारी ने बताया कि 39 परिवारों में से एनएच की कटिंग से प्रभावित चार परिवारों को मुआवजा दिया जा रहा है और एक अन्य परिवार का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जबकि 34 परिवारों को सर्किल रेट पर

मुआवजा वितरण के लिए 13.85 करोड़ का मूल्यांकन किया गया है। सिंचाई विभाग द्वारा बहुगुणा नगर के ट्रीटमेंट के लिए 41 करोड़ की डीपीआर बनाई गई है। जिलाधिकारी ने प्रभावितों को आश्वस्त किया कि सभी प्रकरणों का अध्ययन करते हुए शासन से मामले का निस्तारण हेतु अवगत कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीएम संतोष पांडेय, तहसीलदार सुधा डोभाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी सहित एनएच और सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

बिना सत्यापन के बाहरी व्यक्ति को न दें घर

उत्तरकाशी। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल उत्तरकाशी की ओर से रविवार को ज्ञानसू में स्थानीय लोगों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने कहा कि बाहरी लोगों को बिना सत्यापन के कमरा न दें। कहा कि गत दिनों में कई घरों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए सभी को बाहरी व्यक्तियों पर नजर रखनी होगी। रविवार को ज्ञानसू में विहिप और बजरंग दल की ओर से आयोजित बैठक में स्थानीय लोगों ने नशे के बढते प्रचलन को देखते हुए चिंता व्यक्त की। इस दौरान स्थानीय लोगों ने नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट की कार्य प्रणाली पर भी नाराजगी व्यक्त की। स्थानीय लोगों ने कहा कि पालिका की लापवाही के कारण आज भी ज्ञानसू में सड़के खस्ताहाल हैं। वार्ड में नियमित सफाई न होने से जगह–जगह कचरे के ढेर लगे हैं। जिसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर समस्या के निस्तारण की मांग करने की बात कही।

आम बाग स्थित फ्लैट में युवती की संदिग्ध की मौत

ऋषिकेश। नरेंद्रनगर के एक होटल में कार्यरत युवती ने ऋषिकेश के आम बाग स्थित फ्लैट में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले भी कर दिया, मगर तीन दिन तक पुलिस इस घटना को छुपाती रही।

अब पुलिस का दावा है कि मध्य प्रदेश निवासी महिला कर्मी ने यह कदम डिप्रेशन में उठाया। कोतवाली पुलिस के मुताबिक मध्यप्रदेश स्थित जबलपुर निवासी 20 वर्षीय मेघा तामिया दिसंबर 2023 से नरेंद्रनगर के एक होटल में कार्यरत थी। 24 सितंबर की शाम ड्यूटी करने के बाद मेघा ऋषिकेश के आम बाग गली नंबर 3 स्थित फ्लैट में पहुंची। एएसआई मनोज रावत के अनुसार आधी रात को मेघा ने बंद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह मेघा की रूम पार्टनर होटल से ड्यूटी कर वापस लौटी, तो कमरे के अंदर मेघा को फांसी के फंदे से लटका देखा। आनन–फानन में पड़ोसियों ने मेघा को फांसी के फंदे से नीचे उतरकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मेघा को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मेघा का शव कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेजा। एएसआई मनोज रावत ने बताया कि पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

फ्लैट से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मेघा डिप्रेशन में थीं। वहीं, तीन दिन पुरानी घटना को सार्वजनिक नहीं करने को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं क्षेत्र में हो रही हैं।

भरपूर पट्टी के ग्रामीणों को मिलेगी बिजली की समस्या से निजात

नई टिहरी। देवप्रयाग ब्लॉक की भरपूर पट्टी के लोगों को शीघ्र ही बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। सरकार कर ओर से यहां विद्युत सब–स्टेशन बनाने की मंजूरी दे दी है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने इसकी जानकारी दी। रविवार को केबिनेट मंत्री उनियाल नरेंद्रनगर विधानसभा की भरपूर पट्टी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। ग्राम सिमस्वाडा मल्ला में आयोजित भागवत कथा में भाग लेने के बाद उन्होंने यहां जन समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने उनके सामने बिजली से जुड़ी समस्याओं को प्रमुख रूप से रखा। जिस पर मंत्री उनियाल ने कहा कि, भरपूर पट्टी के लिए उनके द्वारा छह महीने पहले ही एक विद्युत सब स्टेशन स्वीकृत करवा दिया गया है। भूमि उपलब्ध होते ही इसका निर्माण यहां शुरू हो जायेगा। ग्रामीणों ने राजमार्ग स्थित तीन धारा में चट्टानों को खिसकने से रोकने के लिए हो रहे ट्रीटमेंट कार्य में तेजी लाने की भी मांग की जिससे यहां किसी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। ग्रामीणों ने बछेलीखाल में एनएच की ओर से नालियों के लिए खोदी गयी सड़क को ठीक किए जाने की भी मांग की। वहीं भरपूर पेयजल योजना पुनर्गठन के तहत कई गाँवो में क्षतिग्रस्त टैंको का निर्माण अभी तक शुरू नही किये जाने की भी शिकायत रखी गयी। इस मौके पर मंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों को जन समस्याओं का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षपाल, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र गुसाई, रमेश गुसाई, भाजयुमो अध्यक्ष नरेंद्र चौहान, शिव सिंह चौहान, प्रधान दमयंती चौहान, पीतांबरदास आदि मौजूद रहे।

गोपेश्वर में पीने के पानी का संकट

चमोली। चमोली जिले के मुख्यालय गोपेश्वर की 15 हजार से अधिक की आबादी शनिवार की रात्रि से लेकर रविवार को पानी की बूंद–बूंद के लिए तरसी। पेयजल के लिए लोग खाली बर्तनों को लेकर पानी के प्राचीन स्रोतों को ढूंढते नजर आए। जिस इलाके में जलापूर्ति बाधित है। उस इलाके के बड़े हिस्से में टैंकर भी नही जा सकते। इसलिए बच्चे, महिलाएं पानी के लिए प्राचीन स्रोतों की खोज में कई किलोमीटर पैदल ही भटके। कई लोग मजदूरों से पानी के पीपों से पानी मंगवाने पर मजबूर दिखे। अमृत गंगा पेयजल लाइन नगर क्षेत्र में गोपेश्वर वार्ड 2, सरस्वती विहार, शिव शक्ति नगर,जल निगम कालोनी, स्टेडियम क्षेत्र, महाविद्यालय परिसर क्षेत्र सहित विवेकानंद कालोनी, सुभाष नगर और बड़े इलाके को जलापूर्ति करती है। अमृत गंगा पेयजल योजना की यह लाइन अक्सर क्षतिग्रस्त हो जाती है।

मंयक एवं कृतिका ने 3000 मीटर दौड़ में मारी बाजी

चमोली। मेहलचौरी के खेल मैदान में हो रही माध्यमिक विद्यालयों की 22वीं शीतकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन रविवार को बालक वर्ग सीनियर 3000 मीटर दौड़ में मयंक विमं गैरसैंण, जगदीश हरगढ़,मनमोहन मेहलचौरी, बालिका वर्ग में कृतिका प्यूरा, ममता सविमं गैरसैंण, वर्षा सविमं गैरसैंण, सीनियर हेमर थ्रो में राहुल हरगढ़,लक्ष्मण कुशरानी, दिनेश लाटूगैर, बालिकाओं में करीना मरोड़ा, आस्था मेहलचौरी, मनीषा हरगढ़, जूनियर वर्ग 200मीटर दौड़ में दीपक रागांनवि गैरसैंण, अवनीष विमं मेहलचौरी, दिगंबर गैरसैंण, बालिकाओं में अंजू कुशरानी, प्रीति नैल खंसर,उमा पज्याणाखाल, गोला फैंक सबजूनियर वर्ग में हेमंत सविमं गैरसैंण, प्रियांशु कुशरानी, उज्जवल रोहिड़ा, बालिका वर्ग में खुशबू पुनगांव, तानिया घंडियाल, अंजली पंचाली, 200 मीटर दौड़ में अनिल फरकंडे, कृष मेहलचौरी, चेतन सविमं मेहलचौरी व बालिका वर्ग में आरूषि झूमाखेत, रेनू नैल खंसर ऐश्वर्या लाटूगैर ने क्रमशः पहला दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान खेल शिक्षक हितेन्द्र बिष्ट, डीएस कुंवर ,ललिता गुसाईं,केएस कंडारी,आनंद गिरी,धीरज भंडारी, मनोज कोहली, नंदी, हरीश पांडे, संदीप कुमार,शेख शौकत, जेन्द्र बिष्ट, गिरीश थपलियाल,रीना, मोहन, जयप्रकाश, अर्चना, अभिलाषा, ज्योति, राकेश, महेश, सुनील आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने क्रीड़ा प्रतियोगिता में निर्णायक एवं अभिलेख रखरखाव में अपना योगदान दिया।

निधन पर दुःख व्यक्त किया

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार सुनील दत्त पांडे के बड़े भाई डॉ. ललित पांडे के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार सुनील दत्त पांडे के बड़े भाई डॉ. ललित पांडे के निधन पर शोक व्यक्त किया एवं दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

केदारनाथ धाम में दिलाई यात्रियों को स्वच्छता शपथ

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान को लेकर रविवार को केदारनाथ धाम में वृहद सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर केदारपुरी में सफाई के साथ ही तीर्थयात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। जबकि यहां आने वाले हर यात्री, कर्मचारी, मजदूरों को धाम में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा रविवार को वीआईपी हैलीपैड से लेकर मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। केदारनाथ मंदिर परिसर के साथ मंदिर प्रवेश पुल तक यात्री, विभिन्न कर्मचारी, मजदूर आदि को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी चन्द्रशेखर चौधरी ने बताया कि नगर पंचायत केदारनाथ लगातार धाम में सफाई अभियान चला रही है। जिसमें प्रतिदिन

बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्र अनेक स्थानों से गंदगी उठा रहे हैं। जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी ऊखीमठ के निर्देशों पर अभियान के अलावा भी यात्रा शुरू होने से अब तक निरंतर सफाई की जा रही है। इस मौके पर नगर पंचायत केदारनाथ के पर्यावरण पर्यवेक्षक हिमांशु नेगी, सफाई नायक मुकेश कुमार सहित पर्यावरण मित्र मौजूद थे।

पुलिस ने कैंपटी क्षेत्र में चलाया जागरुकता अभियान

नई टिहरी। कैंपटी पुलिस ने कैंपटी थानाक्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाते हुए स्थानीय लोगों को सत्यापन के लिए प्रेरित किया। बताया कि सत्यापन बेहद जरूरी है।

सत्यापन से बाहरी व्यक्तियों की पहचान के साथ ही इस बात की भी जानकारी होती है कि कोई अपराधी तो आपके बीच नहीं रह रहा है। रविवार को एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर कैंपटी पुलिस के चलाये गये जागरूकता अभियान में एएसआई आनंद सिंह रावत ने आम लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की। कहा कि किसी भी परेशानी में पुलिस की मदद आम व्यक्ति ले सकता है। पुलिस जन सेवा के लिए निरंतर तत्पर है। इसलिए बिना संकोच के पुलिस की मदद लें। क्षेत्र में नशे के कारोबारियों को न पनपने दें। सूचना पुलिस को दें।

देने वाले की पहचान गुप्त रखी जायेगी। जबकि बाहरी व्यक्तियों, किराएदारों, फड़–फेरी वालों, मजदूरों थाने में आकर अपना सत्यापन अवश्य करवाने को जागरूक किया। इसके साथ ही चैनबाग, सुमनक्यारी, मरोड़ आदि गांवो के लोगों उनके मकानों में रह रहे मजदूरों, किरायेदारों, फड़–फेरी करने वालों का सत्यापन कराने को जागरूक किया। साथ ही हिदायत दी कि सत्यापन में लापरवाही पर पुलिस ऐक्ट के तहत जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी। जिसके लिए मकान मालिक स्वयं जिम्मेदार होगा।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338